अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रतिवेदन

विषयः- पुरातत्व-इतिहास अंतर्संबंध

दिनांकः- 28 जुलाई, 2021

(आभासी माध्यम से)

//प्रतिवेदन//

स्व. रोहणी कुमार वाजपेयी पुण्य स्मृति व्याख्यान माला

विषयः– पुरातत्व – इतिहास अंतर्संबंध।

दिनांकः– 28/07/2021 **समयः– 12:00 बजे**

(आभासी माध्यम से)

दिनांक 28 जुलाई 2021 को स्व. रोहिणी कुमार वाजपेयी जी के पुण्यतिथि के अवसर पर पुरातत्व–इतिहास अंतर्संबंध विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आभासी माध्यम से आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ राजीव शुक्ला, पूर्व कैबिनेट मंत्री भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मुकेश अग्निहोत्री, नेता प्रतिपक्ष हिमांचल प्रदेश विधानसभा, श्रीमती रश्मि आशीष सिंह, संसदीय सचिव एवं विधायक तखतपुर एवं डॉ. विवेक वाजपेयी समाजसेवी बिलासपुर सम्मिलित हुये। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी ने किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यक्रम के संयोजक डॉ.एच.एस.होता ने स्वागत भाषण दिया तथा स्व. रोहिणी कुमार वाजपेयी के जीवन परिचय का वाचन किया तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि डॉ विवेक वाजपेयी ने अपने पिता के साथ अपने अनुभव को साझा किया तथा उनकी अभिरुचि के बारे में बताते हुए कहा कि उन्हें सिक्कों से बहुत प्रेम था तथा वे सिक्के संग्रह किया करते थे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्रीमती रश्मि आशीष सिंह ने संबोधित करते हुए सर्वप्रथम विश्वविद्यालय को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उनके पिता के पुण्य स्मृति में विशिष्ट व्याख्यान के आयोजन हेतु साधुवाद भी दिया। उसके पश्चात विशिष्ट अतिथि श्री मुकेश अग्निहोत्री ने अपने संबोधन में कुलपति के कार्यों की सराहना करते हुये कहा कि वे निर्णय लेने वाले सक्षम प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जाने जाते है।

मुख्य अतिथि श्री राजीव शुक्ला ने स्व.रोहणी कुमार वाजपेयी के बारे में बताते हुये कहा कि वह बिरले व्यक्तित्व के धनी थे, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ–साथ मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की राजनीति में भी उनका गहरा दखल था तथा वह मध्यप्रदेश में कांग्रेस के शासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों में रहते हुये अपने अनुभव, कार्यकुशलता से कार्य किया। इतिहास में भी उनकी गहरी रूचि की जानकारी उन्होंने दी। उन्होंने कबोड़िया के मंदिर का उदाहरण देते हुये कहा कि वहां शिव की मूर्ति को उड़िसा के राजा ने भेंट की थी भारत में भी विश्व धरोहर में अनेकों अनेक पुरातत्व महत्व के तौर पर प्राचीन भारत की ऐतिहासिक चीजें है।

मुख्य वक्ता श्री राहुल कुमार सिंह ने व्याख्यान के विषय में अपनी बात रखते हुए कहा कि स्व. रोहणी कुमार वाजपेयी को राजनीति में गहरी समझ के साथ–साथ पुरातत्व का ज्ञान भी था। उन्होंने छ.ग. की पुरातत्व पर विस्तृत चर्चा करते हुये पुरातत्व–इतिहास के अंतर्संबंध को रेखांकित किया।

धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.सुधीर शर्मा ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुये।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)
आभासी माध्यम से
दिनांक 28 जुलाई 2021
दोपहर 12 बजे से 1:30 बजे
स्व. रोहिणी प्रसाद बाजपेई पुण्य स्मृति व्याख्यान
विषय - पुरातत्व इतिहास अंतर्संबंध
मुख्य अतिथि
श्री राजीव शुक्ला
Vice President BCCI
मुम्बई
विशिष्ट अतिथि
श्री मुकेश अग्निहोत्री
नेता प्रतिपक्ष, हिमांचल प्रदेश विधान सभा
Ex Cabinet Minister, Govt. of H.P.
अध्यक्षता
आचार्य ए.डी.एन. वाजपेयी
कुलपति, अटल विहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती रश्मि आशीष सिंह
संसदीय सचिव
विधायक तखतपुर एवं कार्यपरिषद सदस्य
अटल विहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)
मुख्य वक्ता
श्री राहुल कुमार सिंह
पुरातत्वविद
बिलासपुर (छ.ग.)
विशिष्ट अतिथि
डॉ. विवेक वाजपेई
समाजसेवी
बिलासपुर (छ.ग.)
संयोजक
डॉ. सुधीर शर्मा
कुलसचिव
अटल विहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
समन्वयक
डॉ. एच.एस. होता
सह प्राध्यापक
एवं श्री सौमित्र तिवारी
सहायक प्राध्यापक
अटल विहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

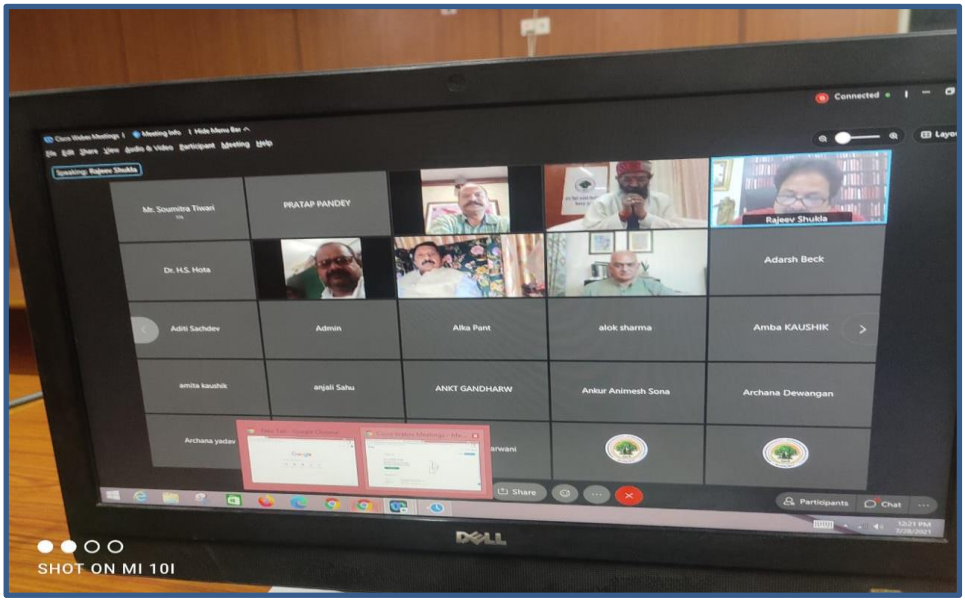
Connected
Mr. Soumitra Tiwari
PRATAP PANDEY
Rajeev Shukla
Dr. H.S. Hota
Adarsh Beck
Aditi Sachdev
Admin
Alka Pant
alok sharma
Amba KAUSHIK
amita kaushik
anjali Sahu
ANKT GANDHARW
Ankur Animesh Sona
Archana Dewangan
Archana yadav
Share
Participants
Chat
DELL
SHOT ON MI 10I

विश्व धरोहर में भारत की ऐतिहासिक चीजें

रोहिणी कुमार बाजपेयी की पुण्यतिथि पर एयू में संगोष्ठी का आयोजन

बिलासपुर 28 जुलाई। अटल बिहारी बाजपेयी विवि में आज पूर्व विधायक रोहिणी कुमार बाजपेयी की पुण्यतिथि पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्यवक्ता क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि आईपीएल विश्व की मानी हुई ली है उन्होंने अपने उद्बोधन में स्वर्गीय रोहिणी कुमार बाजपेई के बारे में बताते हुए कहा कि वह व्यक्तित्व के मालिक थे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ-साथ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की राजनीति में भी उनका गहरा दखल था। तथा वह मध्यप्रदेश में कांग्रेस के शासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों को अपने अनुभव और कार्यकुशलता बुद्धिमता से नाम रोशन किया। वहीं

उन्होंने इतिहास में भी उनकी गहरी रुचि की जानकारी दी वहीं उन्होंने पुरातत्व के द्वारा भारत को पुरातत्व के तौर पर विश्व का खजाना कहा। जहां पर असीम संभावनाएं पुरातत्व महत्व के अनुसार है। उन्होंने कंबोडिया के मंदिर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां शिव की मूर्ति को उड़ीसा के राजा ने वहां भेंट की थी भारत में भी विश्व धरोहर में अनेकों अनेक पुरातत्व महत्व के तौर पर प्राचीन भारत की ऐतिहासिक चीजें हैं । कार्यक्रम की शुरुआत डॉ विवेक वाजपेयी ने स्व रोहिणी कुमार बाजपेयी के योगदान एवं परिचय सभी सम्मान जनों को दिया तथा अपने अनुभवों को साझा किया।

वही अपने राहुल कुमार ने अभ्यागत भाषण में स्वर्गीय रोहिणी कुमार बाजपेई को राजनीति में गहरी समझ के साथ-साथ पुरातत्व के और भी उनके ज्ञान उनकी समझ।

प्रो एडीएन वाजपेई कुलपति अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय इन् व्याख्यानमाला का आयोजन छत्तीसगढ़ के माटी के सपूत जो कि बिलासपुर से जुड़े हुए हैं एवं उनका योगदान स्वतंत्रत संग्राम और बिलासपुर क्षेत्र के विकास करने मे रहा।

संस्था में स्वामित्व समाज क होना चाहिए तभी समाज और संस्था दोनों का सर्वांगीण विकास होता है।

श्रीमती रश्मि आशीष सिंह संसदीय सचिव विधायक तखतपु नए विश्वविद्यालय के नेपाल को नए पहल को सराहा और स्वर्गीय रोहाणी कुमार प्रसाद बाजपेयी के योगदान और समाज के प्रति समर्पित भाव को उजागर किया।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर सुधीर शर्मा कुलसचिव तथा कार्यक्रम का संचालन प्रोफेस सौमित्र तिवारी द्वारा किया गया

प्रेंटर्स एण्ड पब्लिशर्स बिलासपुर से मुद्रित एवं इवनिंग टाइम्स प्रेस नेहरू चौक बिलासपुर से प्रकाशित. सम्पादक नथमल शर्मा. आर.एन.आई. रजि.

आयोजन स्व. रोहिणी बाजपेयी के योगदान को किया गया याद

भारत पुरातत्व के तौर पर विश्व का खजाना

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

बिलासपुर। अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविधालय के द्वारा बुधवार को स्व. रोहिणी प्रसाद बाजपेयी की स्मृति में पुरातत्व इतिहास के विषय पर ऑनलाईन वेबिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. विवेक वाजपेयी ने स्व. रोहिणी कुमार बाजपेयी के योगदान एवं परिचय का साथ किया। इस दौरान राजीव सबसे धनी क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के राजीव शुक्ला भी इसमें शामिल हुए। अपने उद्बोधन में स्वर्गीय रोहिणी कुमार बाजपेई के बारे में बताते हुए कहा कि वह शानदार व्यक्तित्व के मालिक थे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ-साथ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की राजनीति में भी उनका गहरा दखल था। उन्होंने मध्यप्रदेश में कांग्रेस के शासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों को अपने अनुभव और कार्यकुशलता बुद्धिमता से नाम रोशन किया। उन्होंने इतिहास में भी उनकी गहरी रुचि की जानकारी दी। उन्होंने पुरातत्व के द्वारा भारत को पुरातत्व के तौर पर विश्व का खजाना कहा। जहां पर असीम संभावनाएं हैं।

संस्था में स्वामित्व समाज का होना चाहिएः कुलपति

प्रो एडीएन वाजपेई कुलपति ने कहा की व्याख्यानमाला का आयोजन छत्तीसगढ़ के माटी के सपूत जो कि बिलासपुर से जुड़े हुए हैं एवं उनका योगदान स्वतंत्रता संग्राम और बिलासपुर क्षेत्र को विकास करने मे रहा। संस्था में स्वामित्व समाज का होना चाहिए तभी समाज और संस्था दोनों का सर्वांगीण विकास होता है। रश्मि आशीष सिंह, संसदीय सचिव विधायक तखतपुर नए विश्वविद्यालय के नेपाल को नए पहल को सराहा और स्वर्गीय रोहाणी कुमार प्रसाद बाजपेयी के योगदान और समाज के प्रति समर्पित भाव को उजागर किया।

कंबोडिया मंदिर का दिया उदाहरण

डॉ. वाजपेयी ने कंबोडिया के मंदिर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां शिव की मूर्ति को उड़ीसा के राजा ने भेंट किया था और अब वह विश्व धरोहर के रूप में शामिल कर लिया गया है। भारत में भी ऐसे अनेक पुरातत्व महत्व के मंदिर व मूर्तियां हैं जिन्हें सहेजने और संवारने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने में पीएचडी अवार्ड के लिए कुलपति एडीएन वाजपेई को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर सुधीर शर्मा कुलसचिव तथा कार्यक्रम का संचालन प्रो. सौमित्र तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, बाजपेई परिवार उपस्थित रहे।

अटल यूनिवर्सिटी ने पुरातत्व इतिहास अंर्तसंबंध विषय पर व्याख्यान

वाजपेयी का समाज सेवा-राजनीति में अहम योगदान

नवभारत रिपोर्टर ◆ बिलासपुर.
www.navabharat.news

स्व. रोहिणी कुमार वाजपेयी शानदार व्यक्तित्व के मालिक थे. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की राजनीति में भी उनका गहरा दखल था. उन्होंने मध्यप्रदेश में कांग्रेस के शासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों को अपने अनुभव और कार्यकुशलता बुद्धिमता से सुशोभित किया. इतिहास और पुरातत्व के क्षेत्र में उनका अहम योगदान हैं. यह बातें पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहीं. वे अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी के पुरातत्व इतिहास अंर्तसंबंध व्याख्यान माला के तहत राजनेता स्व. रोहिणी कुमार वाजपेयी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे.कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. विवेक वाजपेयी ने स्व. रोहिणी कुमार बाजपेयी का जीवन परिचय दिया साथ ही प्रदेश की राजनीति में उनके योगदान की

जानकारी दी. उन्होंने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में अपने पीएचडी अवार्ड के लिए कुलपति एडीएन वाजपेई का आभार जताया. अभ्यागत भाषण में पुरातत्वविद व रिटायर्ड उप संचालक राहुल कुमार ने कहा कि स्व. रोहिणी कुमार वाजपेयी की राजनीति के साथ ही पुरातत्व की गहरी समझ थी. नेता प्रतिपक्ष हिमाचल प्रदेश विधानसभा मुकेश अग्निहोत्री कुलपति के कार्यों को सराहना करते हुए कहा कि वे निर्णय लेने वाले सक्षम प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं.

माटी के सपूतः कुलपति–अटल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एडीएन वाजपेई ने कहा कि इस व्याख्यानमाला का आयोजन छत्तीसगढ़ के माटी के सपूत जो कि बिलासपुर से जुड़े हुए हैं एवं उनका योगदान स्वतंत्रत संग्राम और बिलासपुर क्षेत्र के विकास करने मे रहा.

बिलासपुर व छत्तीसगढ़ के माटी के सपूतों की स्मृति में किया जा रहा है. स्व. वाजपेयी का स्वतंत्रता संग्राम और बिलासपुर क्षेत्र के विकास में योगदान रहा है. संसदीय सचिव व तखतपुर विधायक रश्मि आशीष सिंह ने विश्वविद्यालय की इस पहल को सराहा और स्व. रोहाणी कुमार वाजपेयी के योगदान और समाज के प्रति समर्पित भाव की जानकारी दी.